माड्यूल-8

स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रबोधन और मूल्यांकन

(Monitoring And Evaluation Of Heath Care Services)

(हिन्दी रुपान्तरः केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबन्धन

(दूरवर्ती शिक्षण के माध्यम से)

माड्यूल - 8

स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रबोधन और मूल्यांकन

(हिन्दी रुपान्तरः केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुरवसम्पदा

प्रस्तावना

इस संशोधित मॉड्यूल को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। यह मॉड्यूल अपेक्षाकृत अधिक प्रासंगिक, व्यावहारिक और प्रयोक्ता सापेक्ष है। स्वास्थ्य प्रबंधन की सम्यक दृष्टि प्र ादान करने की दृष्टि से, यह मॉड्यूल स्वास्थ्य व्यवसायियों के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगा। स्वास्थ्य कार्मिक के लिए प्रबंधन शिक्षा की आवश्यकता हमेशा ही अनुभव की जा रही थी। इसलिए वर्ष 1977 में प्रारंभ से ही, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए इन प्र ाशिक्षण पाठ्यक्रमों के आयोजन में लग गया था। तथापि, प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बहुत अधिक थी और उन्हें कुछ सप्ताह तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में प्रवेश देना संभव नहीं था। इस बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने देश की प्रमुख प्र ाबन्ध संस्थाओं के सहयोग से एक 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन संघ' की स्थापना की और इस महत्वपूर्ण निकाय ने चिकित्सकों के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में दूरवर्ती शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसके लिए वित्तीय सहायता प्रदान की और इस प्रकार वर्ष 1991 में पहला सत्र प्रारंभ हुआ।

यहां उन महान प्रयत्नों का उल्लेख करना अप्रासंगिक न होगा, जिनके द्वारा ये मॉड्यूल तैयार किए गए। शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए, विभिन्न चरणों में मूल ग्रुपों तथा विशेषज्ञ ग्रुपों की कई समीक्षा बैठकें और कार्यशालाएं आयोजित की गई। शिक्षण सामग्री को प्रयोजन-आधारित तथा यथार्थपरक बनाने के लिए जिला स्वास्थ्य प्रबंधकों के एक ग्रुप पर इसका पूर्वपरीक्षण किया गया और इसे बोधगम्य बनाने के लिए इसमें उपयुक्त भाषा का समावेशन किया गया। तब से इस पाठ्यक्रम के ग्यारह वर्ष पूरे हो गए हैं। हमें इन मॉड्यूलों की उपयोगिता के संबंध में सहभागियों से मूल्यवान फीडबैक प्राप्त हुआ है। इन मॉड्यूलों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों के अनुरुप बनाने के लिए हमें उनके जो सुझाव प्राप्त हुए हैं, उनसे हमें इन मॉड्यूलों को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए, समय समय पर उनका सशोधन करने की प्रेरणा प्राप्त हुई हैं।

इन मॉड्यूलों को तैयार करने में जिस मूल ग्रुप ने वस्तुतः अपना योगदान किया, उसमें निम्नलिखित सम्मिलित थेः प्रोफेसर जे.पी.गुप्ता एवं श्री डी.एच.नाथ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली, प्रोफेसर ए.वी.शन्मुगम, आई आई एम, बैंगलूर, प्रोफेसर मघु एस.मिश्र, आई. आई. एम., कोलकाता, प्रोफेसर जे..के.सेतिया, आई आई एम, अहमदाबाद, प्रोफेसर एस.चक्र वर्ती, आई आई एम, लखनऊ तथा प्रोफेसर बी.के. अरोड़ा, राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्रो. टी.आर.आनंद तथा डा. जे.के.दास ने इस मूल ग्रुप को अपना सहयोग प्रदान किया। इन मॉड्यूलों का प्रथम संशोधन वर्ष 1995 में जिस मूलग्रुप द्वारा किया गया, उसमें निम्नलिखित सम्मिलित थेः प्रो. मधु एस. मिश्र, आई आई एम, कोलकाता, प्रो. एस. चक्रवर्ती, आई आई एम, लखनऊ, प्रो. ए.वी.शन्मुगम, एस डी एम प्रबंधन ि

वकास संस्थान, मैसू, प्रो.वी.के.अरोड़ा, जयपुर तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की टीम, जिसमें प्रो. एच. हेलन. निदेशक, प्रो.(श्रीमती)आई.मुराली, डीन, प्रो. जे.आर.भाटिया, परामर्शदाता तथा डा. संजय गुप्ता, समन्वयकर्त्ता सम्मिलित थे।

अद्यतन संशोधन वर्ष 2002 में किया गया। इसके मूलग्रुप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निम्न संकाय सदस्य सम्मिलित थेः डा. एम.सी.कपिलाश्रमी, निदेशक, प्रो. एन.के.सेठी, डीन, प्रो. (श्रीमती) एम.भट्टाचार्य, अध्यक्ष, सी.एच.ए. विभाग, प्रो.ए.के.सूद, अध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, डा. जे..के.दास, रीडर तथा कार्यकारी अध्यक्ष, एम.सी.एच.ए. विभाग तथा संजय गुप्ता, समन्वयकर्ता।

वर्ष 2002 में इस मॉड्यूल के संशोधन का उत्तरदायित्व लेने के लिए यह मूल ग्रुप डा. पी.पी.तलवार, भूतपूर्व प्रोफेसर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

यदि यह मॉड्यूल पाठकों में बेहतर समझ विकसित करने, संकल्पनाओं को स्पष्ट करने तथा उनमें अपने संगठनों के प्रभावी प्रबंधन के प्रति आत्मविश्वास पैदा करने में सहायक होगा, तो यह मूलग्रुप अपने प्रयत्नों को सार्थक समझेगा।

एम.सी.कपिलाश्रमी
निदेशक

सितंबर, 2002
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
नई दिल्ली।

विषय सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
मॉड्यूल 8	स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं का प्रबोधन एवं मूल्यांकन	1
8.1	परिचय	1
8.2	उद्देश्य	1
8.3	यूनिट	2
यूनिट 8.1	प्रबोधन एवं मूल्यांकन संबंधी संकल्पनाएं	2
8.1.1	उद्देश्य	2
8.1.2	मूल शब्द और संकल्पनाएं	2
8.1.3	परिचय	2
8.1.4	परिभाषा	3
8.1.5	नियोजन, प्रबोधन एवं मूल्यांकन	6
8.1.6	जिला स्वास्थ्य कार्यक्रम एक प्रणाली के रुप में	10
8.1.7	प्रबोधन प्रणाली	15
8.1.8	यूनिट के समीक्षात्मक प्रश्न	19
8.1.9	परीक्षण की मदें	19
8.1.10	अन्य अध्ययन सामग्री	20
यूनिट 8.2	प्रबोधन संकेतक और फीडबैक	22
8.2.1	उद्देश्य	22
8.2.2	मूलशब्द और संकल्पनाएं	22
8.2.3	परिचय	22
8.2.4	संकेतक क्या हैं	24
8.2.5	संकेतकों की श्रेणियां	26
8.2.6	गुणवत्ता का प्रबोधन	27
8.2.7	प्रबोधन एवं फीडबैक योजना तैयार करना	31
8.2.8	यूनिट के समीक्षात्मक प्रश्न	33
8.2.9	परीक्षण मदें	33
8.2.10	अन्य अध्ययन सामग्री	35
	अनुलग्नक-1	36

यूनिट 8.3 प्रबोधन की तकनीक 43

8.3.1 उद्देश्य 43
8.3.2 मूल शब्द संकल्पनाएं 43
8.3.3 परिचय 43
8.3.4 प्रबोधन के दृष्टिकोण 46
8.3.5 प्रबोधन प्रणाली का आकार 48
8.3.6 परियोजना का प्रबोधन 55
8.3.7 यूनिट के समीक्षात्मक प्रश्न 56
8.3.8 परीक्षण मदें 57
8.3.9 अन्य अध्ययन सामग्री 58

यूनिट 8.4 मूल्यांकन की पद्धतियां और तकनीक 59

8.4.1 उद्देश्य 59
8.4.2 मूल शब्द और संकल्पनाएं 59
8.4.3 परिचय 59
8.4.4 मूल्यांकन की प्रक्रिया 62
8.4.5 मूल्यांकन की कार्यप्रणाली 63
8.4.6 मूल्यांकन की समस्या का अध्ययन 70
8.4.7 यूनिट के समीक्षात्मक प्रश्न 79
8.4.8 परीक्षण मदें 79
8.4.9 अन्य अध्ययन सामग्री 80
परीक्षण मदों की कुंजी 82